कैफ़ी आज़मी

कवि परिचय:-

अतहर हुसैन रिजवी का जन्म 19 जनवरी 1919 में उत्तर प्रदेश के आजमगढ़जिले के मजमां गाँव में हुआ था। आगे चलकर वे कैफ़ी आज़मी के नाम से मशहूर हुए। कैफी आज़मी प्रगतिशील और उर्दूकवियों की श्रेणी में सर्वोपरि हैं।कैफ़ी की कविताओं में विविधता देखने को मिलती है। एक तरफ वह सामाजिक और राजनीतिक जागरूकता का समावेश अपनी कविताओं में करते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ हृदय की कोमलता भी उनकी कविताओं में विद्यमान है। कैफी आज़मी ने हिंदी फिल्मों के लिए सैकड़ों गीत भी लिखे हैं। कैफी के 5 काव्य संग्रह प्रकाशित हुए।कैफ़ी को उनकी रचनाओं के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार के साथ-साथ कई और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 10 मई 2002 को कैफी आज़मी ने इस संसार को छोड़ दिया।

कर चले हम फिदा

पाठपरिचय:-

प्रस्तुत गीत युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म हकीकत का है। एक सैनिक जब अपने देश के सम्मान के लिए अपने प्राण दे देता है दे देता है, तब वह सोचता है कि उसके बलिदान के बाद देशवासी देश के सम्मान के लिए सदा अपने बलिदान के लिए तैयार रहें तथा अपने कर्तव्य का पालन वोईमानदारी से करें।

कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

साँस थमतीगई, नब्ज़ जमती गई

फिर भी बढ़ते कदम को ना रुकने दिया

कट गए सर हमारे तो कुछ ग़म नहीं

सर हिमालय का हमने न झुकने दिया

मरते मरते रहा बांकपन साथियो

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

शब्दार्थ:- फ़िदा– न्यौछावर,जानो-तन - प्राण वशरीर, हवाले – सौंपना, वतन– देश,बाँकपन– वीरता।

व्याख्या:-

एक वीर सैनिक देश की रक्षा करते हुए अपनी जान न्यौछावर करते समय देशवासियों से कुछ इच्छा रखता है। वह देशवासियों से कहता है किहम अपने देश के लिएअपना बलिदान देकर जा रहे हैं। अब यह देश तुम्हारे हवाले है। जब हम युद्ध कर रहे थे, तब हमारी साँस थमतीजा रही थी तथा ठंड के कारण हमारी नब्ज़ रुकती जा रही थी।हमने अपने देश के लिए अपना बलिदान दे दिया।हमें इस बात का कुछ भी दुख नहींहै, क्योंकि हमने हिमालय के सिर को झुकने नहीं दिया अर्थात् अपने भारत देशके सम्मान को कम नहीं होने दिया। मरते समय तक हमारी वीरता व उत्साह कम नहीं हुआ। अब हम अपना बलिदान देकर जा रहे हैं, यह देश अब तुम्हारे हवाले हैं अर्थात् यह देश तुम्हें सौंप कर जा रहे हैं।

भाषासौंदर्य:-

1) सरल खड़ी बोली। उर्दू के शब्दों का सुंदर प्रयोग– फ़िदा,जानो-तन, हवाले, वतन, ग़म, आदि उर्दू के शब्द।

2) गीत विधा, इसलिए सुर, ताल वलय का सुंदर संगम।

3) वीर रस तथा ओज गुण

4) मरते-मरते- पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार

ज़िंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर

जान देने की रुत रोज़ आती नहीं

हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे

वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं

आज धरती बनी है दुलहन साथियो

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

शब्दार्थ- रुत –मौसम, हुस्न –सौंदर्य, इश्क–प्रेम, रुस्वा– बदनाम, खून –रक्त।

व्याख्या:-

वीर सैनिक का कहना है जीवित तो हम कई दिन रहते हैं, परंतु मौत केवल एक बार आती है। उस पर देश पर मरने का समय भी रोज़-रोज़ नहीं आता। आज वह समय है जब हमें देश रूपी दुल्हन के सौंदर्य व उसके प्रति प्रेम की रक्षा के लिए अपनी जवानी का बलिदान देना है। आज धरती दुल्हन बनी है। इसकी रक्षा के लिए हम अपना बलिदान देकर जा रहे हैं। अब यह देश, यह धरती तुम्हें हम सौंपते हैं।

भाषासौंदर्य:-

1) सरल खड़ी बोली। उर्दू के शब्दों का सुंदर प्रयोग- रुत,रोज़, हुस्न, इश्क,रुस्वा दुलहन, हवाले आदि।
2) सुर, ताल, लय का सुंदर संगम। गीत विधा।
3) वीर रस, ओज गुण।
4) रुत रोज़, नहाती नहीं -अनुप्रास अलंकार।

राह कुर्बानियों की न वीरान हो

तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले

फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है

ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले

बाँध लो अपने सर पर कफन साथियो

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

शब्दार्थ– कुर्बानी– बलिदान, वीरान- खाली (सुनसान), काफ़िला - यात्रियों का समूह,फतह– विजय, जश्न– उत्सव, सर पर कफन बांधना- बलिदान के लिए तैयार रहना।

व्याख्या:-

वीर सैनिक कहता हैकि हम देश के लिए अपना बलिदान देकर जा रहे हैं। देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों की कमी नहीं होनी चाहिए। एक के बाद एक अगला सैनिक बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए।बलिदानियों से मार्ग कभी

खाली नहीं होना चाहिए, क्योंकि पहले मृत्यु उत्सव मनाया जाएगा, इसके बाद ही विजय उत्सव मनाएंगे। इसलिए है मेरे साथियो! हे मेरे देशवासियो! बलिदान देने के लिए तैयार रहें। हम अपना बलिदान देने को जा रहे हैं, अब देश के लिए आपको बलिदान देना है।

भाषासौंदर्य:-

1) सरल खड़ी बोली। उर्दू के शब्दों की प्रधानता – कुर्बानी, वीरान, काफ़िले,फ़तह,जश्न, ज़िंदगी, कफ़न, वतन आदि उर्दू के शब्द।

2) सुर, ताल, लय का सुंदर संगम। गीत विधा।

3)वीर रस, ओज गुण।

4) सर पर कफन बांधना - मुहावरा।

खींच दो अपने खूँ से ज़मींपर लकीर

इस तरफ़ आने पाए ना रावन कोई

तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे

छू न पाए सीता का दामन कोई

राम भी तुम,तुम्ही लक्ष्मण साथियो

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

शब्दार्थ– खूँ– रक्त,ज़मीं– धरती, लकीर–रेखा,दामन– आँचल,रावन– शत्रु।

व्याख्या:-

वीर सैनिक अपने साथियों और देशवासियों को संबोधित करते हुए कहता है कि हमने अपने रक्त से पृथ्वी पर लक्ष्मण रेखा खींच दी है। हमारे देश की सीमा में रावण रूपी शत्रुकभीभी प्रवेशन कर सके। अगर कोई शत्रु हमारी सीता रूपी धरती का आँचल छूनेकीभीकोशिशकरे, तोशत्रु को मुँहतोड़ उत्तर दें, क्योंकि इस देश के राम भी तुम हो और लक्ष्मण भी तुम हो। हमारे बलिदान के बाद यह देश तुम्हारे हवाले हैं।

भाषासौंदर्य:-

1) सरल खड़ी बोली। उर्दू के शब्दों की प्रधानता –खूँ, जमीं, दामन आदि उर्दू के शब्द।
2) सुर ताल वलय का सुंदर संगम, गीत विधा।

3) वीर रस, ओज गुण।

4) भारत भूमि को सीता तथा देशवासियों को राम व लक्ष्मण कहा गया है,इसलिए दृष्टांत अलंकार।

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1) क्या कर चले हम फिदा गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है?

उत्तर- कैफ़ी आज़मी द्वारा रचित गीत 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म हकीकत का है, जिसमें एक वीर सैनिक कहता है किहम अपने शरीर का बलिदान अपने देश के लिए करने जा रहे हैं। अब आपका कर्तव्य हैकि देश की रक्षा के लिए अपने बलिदान केलिएतैयाररहें।

प्रश्न2) सर हिमालय का हमने न झुकने दियाइस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

उत्तर- भारत के उत्तर में हिमालय है, जिसे भारत का मस्तक माना जाता है,अर्थात् हिमालय भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। वीर सैनिक अपने भारत की आन, बान और शान के लिए सहर्ष अपने प्राणों का बलिदान करते हैं।

प्रश्न3) इस गीत में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?

उत्तर- एक युवक अपनी दुल्हन के प्रेमवसौंदर्य के लिए अपने प्राण तक दे देता है, ठीक उसी प्रकार वीर सैनिकअपनी धरती रूपी दुल्हन केसौंदर्यव प्रेम के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर देते हैं।

प्रश्न4) गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वह जीवन भर याद रह जाते हैं?

उत्तर- गीत में सुर ताल वलय का संगम होता है, उसमेंगेयता का गुण होता है तथा उसके भाव ह्रदय के भावों को छू जाने वाले होते हैं।

प्रस्तुत गीत कर चले हम फिदा में उपरोक्त गीत के सभी गुण हैं, इसीलिए इतना समय पहले लिखा गीत आज भी हमें याद है। गीत को सुनते ही मन में देशभक्ति का भाव उत्पन्न होता है तथा देश पर मर मिटने वाले सैनिकों के प्रति श्रद्धा से भर उठता है।

प्रश्न 5) कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है?

उत्तर- 'कर चले हम फिदा' गीत में वीर सैनिक अपने देश के लिए बलिदान देकर इस संसार से विदा होते समय इच्छा व्यक्त करते हैं कि देश की युवा पीढ़ी सामने आए और देश की रक्षा के लिए सहयोग दे। इसलिए 'साथियो'संबोधन देश की युवा पीढ़ी के लिए प्रयोग में लिया गया है।

प्रश्न 6) कवि ने इस कविता में किस काफिले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है?

उत्तर- कवि का कहना है किपहले देश की आजादी के लिए लाखों देशवासियों ने अपना बलिदान दिया, बाद में देश की सुरक्षा के लिए देश के अनेक सैनिकों ने अपना बलिदान दिया। अब देश के लिए बलिदान देने वाले वीर सैनिक चाहते हैं कि देश की रक्षा के लिए देश के युवकों को निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। यह काफिला आगे बढ़ते रहने की बात का अर्थ हैकि हम सबको देश की सुरक्षा का लगातार प्रयास करते रहना चाहिए।

प्रश्न 7) इस गीत में 'सर पर कफन बांधना' किस ओर संकेत करता है?

उत्तर- 'सर पर कफन बांधना' मुहावरा है जिसका अर्थ है -मरने के लिए तैयार रहना। वीर सैनिक का कहना हैकि देश की सुरक्षा के लिए हम बलिदान देकर जा रहे हैं। मैं चाहता हूँकिदेश की सुरक्षा के लिए देश के युवा सर पर कफन बांध कर तैयार रहें,अर्थात् जरूरत पड़ने पर देश के लिए सहर्ष अपना बलिदान देदें।

प्रश्न 8) इस कविता का प्रतिपाद्य /संदेशअपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- यह सच है किजीवन सबको प्रिय होता है। एक बीमार व वृद्ध व्यक्ति भी मृत्यु की बात नहीं सोचता, यहाँ तक कि अहिंसक जीवों केप्राण पर भी जबसंकट आता है, तो वह भी अपनी जान बचाने के लिए हिंसक हो जाता है। परंतु वीर सैनिकों का जीवन बिल्कुल अलग होता है। वह अपने देश, समाज व देशवासियों की रक्षा

के लिए अपने प्राण न्योछावर कर देते हैं। ये सैनिक चाहते हैं कि उनका बलिदान व्यर्थ ना जाए, इसलिए देश के युवाओं को आगे आना चाहिए। अपने देश की धरती को दुल्हन सीता मानकर उसकी रक्षा करनी चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर सहर्ष अपने प्राणों का बलिदान दे देना चाहिए।

प्रश्न9) छूना पाए सीता का दामन कोई कथन का क्या आशय है?

उत्तर- इस पंक्ति का आशय है कि हमारी धरती अर्थात् मातृभूमि सीता माँ की तरह है। अगर कोई रावण रूपी शत्रु मातृभूमि के लिए संकट बनता है, तो राम व लक्ष्मण बनकर उस शत्रु का विनाश कर दो और अपनी मातृभूमि की रक्षा करो।

प्रश्न 10) आजाद होने के बाद सबसे मुश्किल काम है आजादी बनाए रखना। आप इसके लिए क्या-क्या करेंगे?

उत्तर- देश की आजादी बनाए रखने के लिए देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश के किसी भी दुश्मन को सहन ना करे, चाहे वह भीतरी हो या बाहरी, बल्कि उस को मुंहतोड़ जवाब दे। आवश्यकता पड़ने पर देश के लिए अपने प्राण भी न्यौछावर कर दे।

प्रश्न 11) युद्ध क्षेत्र में वीर सैनिक अपने जीवन को किस तरह सार्थक मानता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- एक वीर सैनिक अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए समाज, देशवदेश के लोगों पर आने वाले संकट को दूर करने के लिए तैयार रहता है। देश की रक्षा के लिए वीर सैनिक सहर्ष अपने जीवन का बलिदान दे देता है, ऐसा करके उसे गर्व अनुभव होता है।

प्रश्न 12)फतह का जश्न इस जश्न के बाद हैकवि ने ऐसा क्यों कहा है?

उत्तर- वीर सैनिक का मानना है किदेश की रक्षा के लिए पहले मृत्यु उत्सव मनाना पड़ेगा,अर्थात् एक के बाद दूसरे व्यक्ति को अपना बलिदान देना पड़ेगा और यह बलिदान का सिलसिला तब तक चलेगा, जब तक देश सुरक्षित ना हो जाए। इसके बाद ही देशवासीविजय उत्सव मना सकेंगे।

प्रश्न13) कर चले हम फिदा कविता में कवि ने देशवासियों से क्या अपेक्षाएं की है? क्या हम उन अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर- कवि ने देशवासियों से अपेक्षा की है कि देश की रक्षा करने का भार केवल देश के सैनिकों के कंधे पर नहीं है, बल्कि प्रत्येक देशवासी का भी कर्तव्य है कि वह देश की रक्षा के लिए तन-मन-धन से सहयोग दे। देश के प्रति अपने कर्तव्य को समझने वाले नागरिक अक्सरअवसर आने पर सहर्ष अपना सहयोग देते हैं। कुछ स्वार्थी लोगों को छोड़कर, जो देश के हित से अधिक अपने हितों को महत्व देते हैं, ऐसे लोगों को पहचानना जरूरी है तथा उनकी सोच बदलना भी जरूरी है।

प्रश्न 14)राम भी तुम,तुम्हींलक्ष्मण साथियोइस कथन से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर- कवि का कहना है किजैसे सीता की रक्षा के लिए राम व लक्ष्मण दोनों ने यत्न किए थे तथा सीता को रावण से मुक्त करवाया था, ठीक उसी प्रकार भारत माता सीता की तरह है। इस भारत माता अर्थात् अपनी मातृभूमि की दुश्मन से रक्षा करने के लिए हमें राम व लक्ष्मण बनकर अपने देश की रक्षा करनी है।

* * * * *